

खबर संक्षेप

केंद्रीय मंत्री के बयान पर भड़के किसान-कांग्रेसी बाढ़ड़ा। केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा पूर्व सीएम चौधरी बंसीलाल पर की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में सोमवार को बाढ़ड़ा में भारतीय किसान यूनियन और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन किया। उन्होंने शहर में रोष मार्च निकालने के बाद क्रांतिकारी चौक पर केंद्रीय मंत्री का पुतला फूंका और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इससे पहले किसान भवन में भाकियू के जिला अध्यक्ष हरपाल भांडवा की अध्यक्षता में बैठक हुई। हरपाल भांडवा ने कहा कि चौधरी बंसीलाल ने मुख्यमंत्री रहते हुए, पूरे हरियाणा में रिकार्ड विकास कार्य कराए और आज भी उन्हें विकास पुरुष के रूप में याद किया जाता है।

अवैध हथियार मामले में आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस की स्पेशल स्टाफ इंशराल को टीम ने अवैध हथियार उपलब्ध कराने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 27 नवम्बर 25 को स्पेशल स्टाफ इंशराल ने मोहित पुत्र विनोद कुमार निवासी वार्ड नंबर-4, सिवानी को एक अवैध देशी पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया था। पृष्ठताछ के दौरान उसने बताया कि अवैध हथियार उसे नरेंद्र से मिला था। नरेंद्र से पृष्ठताछ में खुलासा हुआ कि हथियार उसे कृष्ण कुमार ने उपलब्ध कराया था। इस मामले में जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस टीम ने अवैध हथियार उपलब्ध कराने के आरोप में कृष्ण कुमार पुत्र वेद प्रकाश निवासी कवारी को गिरफ्तार कर लिया।

मारपीट, गाड़ी में आग लगाने के 3 आरोपी काबू

भिवानी। पुलिस की सीआईएफ स्टाफ-2 भिवानी की टीम ने होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट कर बाहर खड़ी गाड़ी में आग लगाने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रदीप निवासी बागला की शिकायत पर थाना सदर भिवानी में मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि 14 अक्टूबर 25 की रात होटल से फोन आया कि कुछ खूबक होटल पर आए, जिन्होंने होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट की तथा होटल के बाहर खड़ी एक गाड़ी में आग लगाकर मौके से फरार हो गए।

चौधरी बंसीलाल ने खेले थे प्रदेश में विकास के द्वार: मनीषा

हरिभूमि न्यूज़ ►►**चरखी दादरी** समय में नहीं हो सका। मनीषा ने बताया कि चौधरी बंसीलाल ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री एवं समाजसेविका मनीषा सांगवान ने पूर्व सीएम चौधरी बंसीलाल के विकास कार्यों की सराहना करते हुए मौजूदा राजनीतिक बयानों पर कड़ा ऐतराज जताया है। कहा कि चौधरी बंसीलाल आधुनिक हरियाणा के निर्माता थे। उनके कार्यकाल में जितना विकास हुआ, उतना आज तक प्रदेश के किसी भी मुख्यमंत्री के



मनीषा सांगवान।

समय में नहीं हो सका। मनीषा ने बताया कि चौधरी बंसीलाल ने हरियाणा की प्रगति की नींव रखी थी। उन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से हरियाणा के हर आखिरी गांव तक बिजली, पक्की सड़कों और नहरों का जाल बिछाया था, जिससे हरियाणा में कृषि और उद्योगों के विकास का रास्ता साफ हो पाया। आज हरियाणा जिस समृद्धि पर गर्व करता है, उसकी शुरुआत चौधरी बंसीलाल ने ही की थी।

समस्या

समाधान नहीं हुआ तो तैयार होगी बड़े आंदोलन की रूपरेखा

बिजली कटौती के खिलाफ गरजा बीरण, सांसद व विधायक के आवास का घेराव कर सौंपा मांगपत्र

- 100 प्रतिशत बिल भरने पर भी बीरण की 6 हजार की आबादी झेल रही बिजली बाधित की समस्या

हरिभूमि न्यूज़ ►►**भिवानी**

चौबीस घंटे बिजली का दम भरने वाली सरकार की जगमग योजना की जमीनी हकीकत भिवानी के गांव बीरण में पूरी तरह तार-तार हो चुकी है। पिछले करीब दो महीनों से भीषण और तपती गर्मी के बीच भयंकर बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीणों



भिवानी। बिजली के अधोषिक्त कटौ को लेकर प्रदर्शन करते बीरण गांव के लोग।

के सन्न का बांध आखिरकार सोमवार को टूट गया। बिजली विभाग की घोर लापरवाही और

स्थानीय जनप्रतिनिधियों की बेरुखी से नाराज सैकड़ों ग्रामीणों ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया

स्कूल खोलने से पूर्व व्यवस्था करें दुरुस्त

- बीईओ ने कहा, सभी विद्यालय मुखिया अधिकारियों के आदेशों का करें पालना

हरिभूमि न्यूज़ ►►**बवानीखेड़ा**

प्रदेश में ग्रीष्मकालीन अवकाश के चलते विद्यालय बंद हैं और 1 जुलाई को विद्यालय पहले की भांति खोले जायें हैं। लेकिन विद्यालय खुलने से पहले इसकी व्यवस्था प्रबंधन व अन्य सुविधाओं को लेकर विभाग सख्त हैं जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी (डीईओ) भिवानी ने खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि एक जुलाई से ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद



बवानीखेड़ा। सरकारी स्कूल के भवन का दृश्य।

फोटो: हरिभूमि

विद्यालय खुलने से पहले विद्यालयों में साफ-सफाई और आवश्यक व्यवस्था पूरी कर ली जाए। इस संबंध में जारी पत्र में विद्यालय परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित और विद्यार्थियों के लिए अनुकूल बनाने पर जोर दिया गया है। निर्देशों के अनुसार विद्यालयों में सबसे पहले पेयजल की व्यवस्था

सुनिश्चित की जाएगी। पानी की टंकियों की अच्छी तरह सफाई कर उनमें स्वच्छ पेयजल भरवाया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अलावा सभी शौचालयों की साफ-सफाई कर उन्हें पूरी तरह उपयोग के योग्य बनाया जाएगा।

एक सप्ताह में 3.52 लाख रुपये के चालान काटे

हरिभूमि न्यूज़ ►►**चरखी दादरी**

दादरी में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशों के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले विशेष रूप से बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान पुलिस ने 3.52 लाख रुपये के चालान किए। यह कार्रवाई जिले के विभिन्न मुख्य



कार चालक को चालान देते पुलिसकर्मी।

मार्गों, बाजारों, चौक-चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में की गई, जहां ट्रैफिक नियमों की अवहेलना अधिक देखने को मिलती है। ट्रैफिक पुलिस ने

हरिभूमि न्यूज़ ►►**चरखी दादरी**

सोमवार को ग्राम खेड़ी बत्तर में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भारत रत्न डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की स्मृति एवं सम्मान में गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह एवं बाढ़ड़ा विधायक उमदे पातुवास उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील ईंजीनियर ने की। कार्यक्रम के दौरान महान संत, समाज सुधारक एवं निर्गुण भक्ति परंपरा

नियमों का पालन नैतिक जिम्मेदारी

पुलिस अधीक्षक लोनेश कुमार ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना केवल कानूनी बाध्यता ही नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी भी है। नियमों की अन्देखी से न केवल दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ती है, बल्कि यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है, जिससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, वाहन की गति निर्धारित सीमा में रखें, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करें।

ये अभियान विशेष रूप से बिना नम्बर प्लेट वाले वाहन चालकों को ध्यान में रखते हुए चलाया। इसे वाहनों की संगीन वारदातों में संप्लितता होने की



चरखी दादरी। खेड़ी बत्तर में भारतरत्न डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की स्मृति एवं सम्मान समारोह में मंवासीन सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक उमदे पातुवास व अन्य।

के संवाहक संत कबीरदास की जयंती भी श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं

राष्ट्र निर्माण में भाग लें

सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक गौरव के प्रति पूर्ण समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया और देश को एक मजबूत वैचारिक दिशा प्रदान की। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अंत्योदय सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की भावना के साथ उनके सपनों के भारत के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे सेवा, संगठन और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाएं।



चरखी दादरी। नारियल फोड़कर विकास कार्य का शुभारंभ करते चेयरमैन सेनी।

चेयरमैन ने प्रेमनगर में किया विकास कार्य का श्रीगणेश
चरखी दादरी। शहर को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प के साथ नगर परिषद के चेयरमैन बख्शीराम सेनी ने सोमवार को वार्ड नंबर 3 स्थित प्रेम नगर गली में नवनिर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। नारियल फोड़कर शुरू किए निर्माण कार्य के दौरान वाईफायरों में उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए नप चेयरमैन बख्शीराम सेनी ने कहा कि शहर का समग्र और समान विकास ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रेमनगर गली का नवनिर्माण कार्य स्थानीय निवासियों को जलभरम और जर्जर रास्तों की समस्या से हमेशा के लिए मुक्ति दिलाएगा।

दोषी कर्मियों को गांव में नहीं घुसने देंगे



भिवानी। मांगों को लेकर आयोजित बैठक में उपस्थित लोग।

आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में ग्रामीणों और किसान नेताओं ने हिस्सा लिया और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर रोष प्रकट किया। पंचायत में सर्वसम्मति से एक बड़ा और कड़ा फैसला लिया गया है कि जब तक आरोपी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती और किसानों की मांगें पूरी नहीं की जाती, तब तक एचवीपीएनएल के किसी भी कर्मचारी को गांव की सीमा में घुसने नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही विभाग की तानाशाही के खिलाफ आगामी 30 जून को दोपहर 12 बजे जिला मुख्यालय पर एक विशाल विरोध प्रदर्शन करने का बिगुल फूंक दिया गया है। किसान पंचायत में विशेष रूप से पहुंचे भारतीय किसान यूनियन (टिकैट) के जिला प्रधान राकेश आर्य ने बिजली विभाग के अधिकारियों और प्रशासन को आड़े हाथों लिया।

मनीषा हत्याकांड : कुडलवास गांव में भारी तनाव, अतिरिक्त सुरक्षा बल रहा तैनात

एसपी और एसडीएम के आशवासन के बाद माने पिता, अनशन खत्म किया



भिवानी। सचिवालय के बाहर तैनात पुलिस बल, धरने से प्रदर्शनकारियों को जबरदस्ती उठाकर ले जाती पुलिस व गांव कुड़ल में आमरण अनशन पर बैठे मनीषा के पिता संजय व अन्य।



भिवानी। सचिवालय के बाहर तैनात पुलिस बल, धरने से प्रदर्शनकारियों को जबरदस्ती उठाकर ले जाती पुलिस व गांव कुड़ल में आमरण अनशन पर बैठे मनीषा के पिता संजय व अन्य।



भिवानी। सचिवालय के बाहर तैनात पुलिस बल, धरने से प्रदर्शनकारियों को जबरदस्ती उठाकर ले जाती पुलिस व गांव कुड़ल में आमरण अनशन पर बैठे मनीषा के पिता संजय व अन्य।

मनीषा के पिता को बीच रास्ते रोका, अनशन के समर्थकों को खदेड़ा

हरिभूमि न्यूज़ ►►**भिवानी/लोहारू**

सोमवार को मनीषा के हत्या मामले के खुलासे की मांग को पिता संजय भिवानी आमरण अनशन पर बैठने जा रहे थे, लेकिन पिता को बीच रास्ते में पुलिस ने रोक लिया। पुलिस के रोके जाने के बाद पिता संजय समर्थकों के साथ कुडलवास

एक सप्ताह में सीबीआई अधिकारी से मिलेंगे

मनीषा मौत मामले में देर साय एसपी सुमित कुमार और एसडीएम मनोज के आशवासन के बाद मृतका के पिता संजय ने आमरण अनशन समाप्त कर दिया। पुलिस प्रशासन के रोकने के बाद संजय कुमार कुडलबास गांव में ही विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोगों के साथ अनशन पर बैठे गए थे। एसपी व एसडीएम ने संजय कुमार को सीबीआई से एक सप्ताह के भीतर मुलाकात का भरोसा दिलाया है। जिसके बाद अनशन समाप्त कर दिया गया।

खुलासे व उपायुक्त कार्यालय के बाहर आमरण अनशन की बात पर अड़े रहे। समाचार लिखे जाने तक संजय के साथ दर्जनों लोग धरने पर बैठे रहे। दूसरी तरफ मनीषा के पिता के आमरण अनशन का समर्थन करने उपायुक्त कार्यालय पहुंचे लोगों को पुलिस ने खदेड़

13 अगस्त 2025 को संदिग्ध अवस्था में मिला था शव

11 अगस्त 2025 को लापता हुई मनीषा का दो दिन बाद 13 अगस्त को सिंधानी में संदिग्ध अवस्था में शव मिला था। जिसके बाद परिजन और विभिन्न संगठनों के लोग सड़कों पर उतर आए थे। इस मामले ने तूल पकड़ लिया था और तीन बार पोस्टमार्टम व मामला सीबीआई को सौंपे जाने के सरकार के फैसले के बाद मृतका मनीषा के शव का अंतिम संस्कार हो पाया था। लेकिन महीनों की जांच के बाद भी सीबीआई और सरकार ने कथित रूप से मामले में कोई खुलासा नहीं किया। जिससे नाराज होकर मृतका के पिता संजय ने प्रशासन और सरकार को 29 जून का का अल्टीमेटम दिया था। लेकिन इसके बावजूद मामले का खुलासा

सचिवालय के बाहर से समर्थकों को खदेड़ा

मनीषा के पिता संजय के आमरण अनशन के समर्थन में पहुंचे कांग्रेस के शहरी अध्यक्ष प्रदीप गुलिया, कामरेड ओमप्रकाश व अन्य कई दर्जन समर्थकों के साथ सचिवालय के बाहर पहुंचे। वहां पर धरने पर बैठने लगे,लेकिन पुलिस ने बिना अनुमति का बहाना बनाकर उनको वहां से खदेड़ दिया। इसी दौरान कांग्रेस के कुछ समर्थक जबरदस्ती धरने पर बैठ गए,लेकिन पुलिस ने उनको जबरन वहां से उठा दिया। उसके बाद सभी प्रदर्शनकारी सचिवालय से दूर पार्क के बाहर धरने पर बैठ गए। शाम तक प्रदर्शनकारी वहीं धरने पर डटे रहे।

सचिवालय के बाहर से समर्थकों को खदेड़ा

मनीषा के पिता संजय के आमरण अनशन के समर्थन में पहुंचे कांग्रेस के शहरी अध्यक्ष प्रदीप गुलिया, कामरेड ओमप्रकाश व अन्य कई दर्जन समर्थकों के साथ सचिवालय के बाहर पहुंचे। वहां पर धरने पर बैठने लगे,लेकिन पुलिस ने बिना अनुमति का बहाना बनाकर उनको वहां से खदेड़ दिया। इसी दौरान कांग्रेस के कुछ समर्थक जबरदस्ती धरने पर बैठ गए,लेकिन पुलिस ने उनको जबरन वहां से उठा दिया। उसके बाद सभी प्रदर्शनकारी सचिवालय से दूर पार्क के बाहर धरने पर बैठ गए। शाम तक प्रदर्शनकारी वहीं धरने पर डटे रहे।



पचास-पचपन की उम्र हुई नहीं कि हमें यह लगने लगता है, अब कुछ नया करने की उम्र गई। यह सोचना गलत है, उम्र के किसी पड़ाव पर आप कुछ ऐसा कर सकती हैं, जो आपको नई पहचान दे। अपने आस-पास ऐसे कई उदाहरण भी मिल जाएंगे, जब महिलाओं ने बड़ी उम्र में कुछ अनोखा करके अपनी नई पहचान के लिए उड़ानें मरी हैं।

हर उम्र में संभव है नई पहचान की उड़ान



कवर स्टोरी

स्नेहा सिंह

अब उम्र हो रही है, इस उम्र में क्या कुछ नया करूंगी।' पचास-पचपन की उम्र की महिलाओं को यह कहते हुए हम अकसर सुनते हैं। हमारे समाज में लंबे समय तक महिलाओं को कुछ निश्चित भूमिकाओं में बांधकर देखा जाता है- बेटी, पत्नी, बहू और मां की भूमिका में। इन भूमिकाओं को निभाते-निभाते ज्यादातर महिलाएं यह मान बैठती हैं कि उनके अपने सपने पूरा करने, कुछ नया करने की संभावनाओं का समय पीछे छूट चुका है, अब वे कोई उड़ान नहीं भर सकती हैं, अपनी कोई नई पहचान नहीं बना सकती हैं। लेकिन सच इससे बिल्कुल अलग है। जीवन किसी कैलेंडर की तारीख का नाम नहीं, निरंतर बदलती संभावनाओं की यात्रा है। आज समय भी काफी बदल चुका है। इस नए दौर में आप किसी भी उम्र में जीवन के नए पड़ाव पर आकर कुछ नया कर सकती हैं। हर उम्र में नई पहचान बना सकती हैं। किसी क्षेत्र में नए सिरे से अपना करियर शुरू कर सकती हैं, अपने भीतर छिपी क्षमताओं को पहचान सकती हैं, कुछ बड़ा कर सकती हैं। इतना ही नहीं, लोगों के लिए एक मिसाल बन सकती हैं।

उम्र केवल बताती है शारीरिक अवस्था

महिलाओं के लिए यह समझना आवश्यक है कि उम्र केवल शारीरिक अवस्था बताती है, संभावनाओं की सीमा नहीं। अनेक महिलाएं बच्चों के बड़े हो जाने के बाद अपने पुराने शौक फिर से शुरू करती हैं। कोई संगीत-नृत्य सीखती है, कोई अभिनय, कोई चित्रकला, लेखन तो कोई अपना व्यवसाय शुरू करती हैं। कई महिलाएं सामाजिक कार्यों में सक्रिय होकर अपनी पहचान बनाती हैं।



सकारात्मक सोच का जादू

नई शुरुआत की सबसे बड़ी शर्त है- सकारात्मक सोच। जीवन में हर व्यक्ति को असफलताओं, निराशाओं और संबंधों की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन जो लोग आशा बनाए रखते हैं, वे हर कठिनाई में अवसर खोज लेते हैं। सकारात्मक सोच का अर्थ समस्याओं को नकारना नहीं, बल्कि यह विश्वास रखना है कि उनका समाधान संभव है। यही सोच व्यक्ति को आगे बढ़ने की शक्ति देती है। स्वयं के प्रति सम्मान और अस्थिर के प्रति आशा जगाती है, जीवन को नई दिशा प्रदान करती है। जब हम अतीत के बोझ को छोड़कर वर्तमान को स्वीकार करते हैं, तब नए रास्ते अपने आप खुलते जाते हैं।

यह सही है कि वर्कप्लेस पर बढ़िया परफॉर्म करने और उन्नति के लिए मेहनत, लगन से कार्य करना सबसे जरूरी है। लेकिन ऑफिस में आपका मन न लगे तो कुछ वास्तु उपायों को आजमा सकते हैं। इससे आपका मन तो लगेगा ही आप निरंतर उन्नति भी करेंगे।

अगर ऑफिस में नहीं लगता मन वास्तु के अनुसार करें ये बदलाव



वास्तु सलाह

अनीता जैन, वास्तुविद

ऑफिस में हमारी डेस्क केवल काम करने की जगह नहीं होती, बल्कि यह हमारी ऊर्जा, मनोदशा और कार्यक्षमता को भी प्रभावित करती है। कई बार व्यक्ति उत्साह के साथ ऑफिस तो पहुंच जाता है, लेकिन डेस्क पर बैठते ही थका, चिड़चिड़ापन या काम में मन न लगने जैसी समस्याएं महसूस होने लगती हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार कार्यस्थल पर मौजूद सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा का सीधा प्रभाव हमारे मन और करियर पर पड़ता है। इसलिए यदि आपकी ऑफिस डेस्क व्यवस्थित, सुंदर और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होगी, तो कार्य में मन भी लगेगा और तरक्की के रास्ते भी खुलेंगे।

डेस्क पर बढ़ाएं हरियाली: वास्तुशास्त्र में हरे-भरे पौधों को समृद्धि और शांति का प्रतीक माना गया है। ऑफिस डेस्क के उत्तर या पूर्व दिशा में मनी प्लांट, बैबू प्लांट या छोटे इनडोर प्लांट्स रखना शुभ माना जाता है। हरा रंग मानसिक सुकून देने के साथ तनाव को कम करने में भी सहायक होता है। वहीं सूखे, कांटेदार या बोनसाई पौधों को डेस्क पर नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इन्हें निराशा और रकावट का सूचक माना गया है। डेस्क के उत्तर दिशा में हरियाली,



जंगल या लहलहाती फसलों का चित्र लगाने से मन प्रसन्न रहता है और मेहनत का पूरा फल मिलता है। **सकारात्मक चित्र देते हैं प्रेरणा:** ऑफिस डेस्क पर लगाए गए चित्र भी आपके मन और ऊर्जा पर प्रभाव डालते हैं। रोता हुआ बच्चा, डूबता जहाज, आग, टूटी मूर्ति या कांटेदार पौधों के चित्र नकारात्मकता बढ़ाते हैं। इसके स्थान पर उगते सूर्य, उड़ते पक्षी, भागते घोड़े, स्वस्तिक या पेड़-पौधों के चित्र लगाना शुभ माना जाता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार डेस्क के उत्तर-पूर्व दिशा में

अपने इष्टदेव की छोटी तस्वीर अवश्य रखनी चाहिए। कार्य शुरू करने से पहले उन्हें प्रणाम करने से मानसिक स्पष्टता प्राप्त होती है और व्यक्ति को सकारात्मक मार्गदर्शन मिलता रहता है। इससे आत्मविश्वास और कार्य क्षमता में भी वृद्धि होती है। **फूल-प्रकाश बढ़ाते हैं उत्साह:** ऑफिस डेस्क पर ताजे फूलों का

छोटा गुलदस्ता रखने से वातावरण खुशनुमा बन रहता है। वास्तु के अनुसार फूल सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं और मानसिक तनाव कम करने में मदद करते हैं। ध्यान रखें कि मुरझाए या सूखे फूल तुरंत हटा देने चाहिए, क्योंकि ये नकारात्मकता बढ़ाते हैं। इसके साथ ही डेस्क के आस-पास सही प्रकाश व्यवस्था होना भी बेहद जरूरी है। बहुत तेज या बहुत कम रोशनी आंखों और मन दोनों को प्रभावित करती है। पर्याप्त प्रकाश न होने पर वहां नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है, जिससे कार्यों में बाधा, बहस और मानसिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। इसलिए हमेशा ऐसी लाइटिंग रखें, जो आंखों को सुकून दे और काम करने में सहजता महसूस हो। **साफ-सुथरी और व्यवस्थित हो डेस्क:** वास्तुशास्त्र के अनुसार गंदी-अव्यवस्थित डेस्क नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है। डेस्क को हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना चाहिए। पेन-पेंसिल और अन्य जरूरी सामान के लिए सुंदर पेन स्टैंड का उपयोग करें।



रिक्का केयर

शहनाज हुसैन, ऑलेक्ट्रोनिक्स

उमस भरे इस मौसम में इंटरनल हेल्थ के साथ-साथ त्वचा की देखभाल भी जरूरी है। गर्मी, पसीना और धूल मिट्टी से त्वचा चिपचिपी और बेजान हो जाती है। कुछ लोगों को तो जलन भी महसूस होने लगती है। इससे राहत पाने के लिए कई महिलाएं ब्यूटी सैलूनों में ट्रीटमेंट करवाने जाती हैं या ब्रांडेड कंपनियों के ब्यूटी प्रोडक्ट्स अपनाई करती हैं। ये काफी महंगे तो होते ही हैं, कई बार इनसे कोई खास फायदा भी नहीं मिलता है। ऐसे में आप चाहें तो घर में मौजूद नेचुरल चीजों से ही इंजली नेचुरल क्लींग क्रीम तैयार कर सकती हैं। ये क्रोमस फेस स्किन को कूल करेगी और



डाइट एडवाइस

डॉ. अंशु चौहान
डाइटिशियन

हालांकि कई इलाकों में बारिश शुरू हो चुकी है लेकिन अभी उमस भरी गर्मी बरकरार है। दिन के समय धूप निकलते ही गर्मी बेचैन करने लगती है। ऐसे में आपको थकान, चिड़चिड़ापन, कमजोरी या डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इनसे बचने के लिए अपनी डाइट सही ढंग से प्लान करना जरूरी है। **टीनएजर्स डाइट:** इस उम्र में लड़कियों का शरीर तेजी से बढ़ता है। पीरियड्स भी शुरू हो जाते हैं और हार्मोनल उतार-चढ़ाव सबसे अधिक होते हैं। इसलिए इनकी डाइट में आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम सबसे जरूरी होते हैं। **क्या खाएं:** सुबह सबसे पहले खाली पेट एक ग्लास सादा पानी पिएं। नाश्ते में मूंग दाल का चीला या दलिया लें। दोपहर के भोजन में रोटी, दाल, हरी सब्जी और एक कटोरी दही लें। जिससे सारे पोषक तत्व शरीर को पर्याप्त मात्रा में मिल सकेंगे। दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स हार्मोस को नेचुरली बैलेंस करते हैं। भोगे हुए पांच से छह बादाम रोज खाएं। छाछ में जीरा और काला नमक मिलाकर दोपहर में लें, क्योंकि यह पेट को

आपको ताजगी का अहसास भी दिलाएंगी। **एलोवेरा-गुलाब जल क्रीम:** इस क्लींग क्रीम को तैयार करने के लिए कांच की कटोरी में एक चम्मच एलोवेरा जेल, एक चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच खीरे के रस को एक चम्मच की मदद से तब तक अच्छे से मिस करें, जब तक कि यह एक हल्की और मुलायम क्रीम जैसा न दिखने लगे। जैसे ही इसका टेक्सचर क्रीमी हो जाए, समझ लीजिए आपकी होममेड क्लींग क्रीम तैयार है। इस क्रीम को फ्रिज में रख लें। इस क्रीम को आप सीधे चेहरे और त्वचा के खुले हिस्से पर लगा सकते हैं और लगाने के कुछ देर बाद ताजे ठंडे पानी से धो डालिए। चिपचिपी गर्मी के

क्रीम को फ्रिज में रख लें। इस क्रीम को आप सीधे चेहरे और त्वचा के खुले हिस्से पर लगा सकते हैं और लगाने के कुछ देर बाद ताजे ठंडे पानी से धो डालिए। चिपचिपी गर्मी के

ठंडा रखने में मदद करता है। सत्तू के शर्बत में नींबू, काला नमक और जीरा पावडर मिलाकर लें। यह सबसे सस्ता प्रोटीन और एनर्जी ड्रिंक है। नारियल पानी का सेवन इलेक्ट्रोलाइट्स बैलेंस करने के साथ-साथ थकान और डिहाइड्रेशन से भी बचाता है। **क्या न खाएं:** पैकेज्ड फूड्स, ड्रिंक्स, पिज्जा, बर्गर और मैदा की बनी कोई चीज खाने से बचें। चाय-कॉफी भी कम पिएं। **युवा महिलाएं:** इस उम्र की महिलाओं को एनर्जी, फर्टिलिटी और हार्मोनल बैलेंस, तीनों का एक साथ ध्यान रखना जरूरी है। आपकी



अपने रिश्तों को ऐसे बनाए रखें स्ट्रॉन्ग

मैरीड रिलेशन का स्ट्रॉन्ग होना बहुत जरूरी है। मजबूत रिश्तों की नींव प्रेम, अपनापन, मरोसा, खुला संवाद, संवेदनशीलता और आपसी सम्मान पर टिकी होती है। इन बातों को अपनाकर आप अपने पार्टनर के साथ एक खुशहाल जिंदगी जी सकती हैं।



मैरीड लाइफ

शिखर चंद जैन

हमारे जीवन में मजबूत रिश्तों का बहुत महत्व है, ये हमारा जीवन खुशहाल बनाते हैं। बात जब पति-पत्नी के रिश्ते की हो तो यह बात और ज्यादा मायने रखती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रसिद्ध हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट बताती है कि खुशहाल जीवन का सबसे बड़ा आधार सिर्फ रोमांटिक रिश्ते नहीं, मजबूत सामाजिक संबंध भी होते हैं। रिश्तों का दायरा जब दोस्ती, परिवार, सहकर्मियों और समाज तक फैलता है, तब जीवन अधिक संतुलित और संतोषजनक हो जाता है। मैरीड लाइफ में अपने पार्टनर के साथ रिश्ते मजबूत और मधुर रखने के लिए कुछ सामान्य बातों का ध्यान रखना जरूरी है। **'ट्रस्ट बैक' बनाएं:** रिश्ते बैंक अकाउंट की तरह होते हैं। इसमें ट्रस्ट का होना बहुत जरूरी है। जब आप किसी से किया वादा निभाती हैं, तो आप प्यार-स्नेह और साख अपने रिश्ते के बैंक अकाउंट में डिपॉजिट करती हैं। जब आप वादा तोड़ती हैं, तो आपका खाता डेबिट होता है। हमेशा एक मजबूत रिश्ते के लिए अकाउंट में भरोसा और प्यार का बैलेंस ज्यादा होना चाहिए। **विनम्र और संवेदनशील बनें:** किसी भी रिश्ते में मजबूती की पहली शर्त विनम्रता और संवेदनशीलता होती है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक स्टडी बताती है कि प्रोपकार और दूसरों की मदद करने से दिमाग में 'लव हार्मोन' यानी ऑक्सीटोसिन का लेवल बढ़ता है। जब हम बिना किसी स्वार्थ के कुछ देते हैं तो खुद के भीतर भी अपनापन और संतोष बढ़ता है। संतोष की यही भावना हमारे पारस्परिक रिश्तों को भी मजबूत बनाती है। **खुली बातचीत जरूरी:** रिश्तों में मौन और मन ही मन शिकायत से अकसर गलतफहमी पैदा होती है। अपनी जरूरतों, डर और इच्छाओं को खुलकर कहें। यह मान लेना कि 'उसे तो पता ही होगा' अकसर रिश्तों में दूरी का कारण बनता है। अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से कहें और पार्टनर को समझने का मौका दें। **बनाए रखें रिश्ते की मर्यादा:** किसी भी रिश्ते में



नोक-झोंक या छोटे-मोटे झगड़े होना सामान्य सी बात है। चाहे झगड़ा कितना भी बड़ा क्यों न हो, रिश्ते की मर्यादा बनाए रखें। कभी भी 'ब्रेकअप' या अलग होने की धमकी न दें। अपशब्दों का प्रयोग या पार्टनर को नीचा दिखाना आपके रिश्ते में हमेशा के लिए कड़वाहट घोल सकता है। **बिना शर्त स्वीकार्यता:** यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो की रिसर्च बताती है कि जो लोग रिश्तों को परफेक्ट मानने की उम्मीद करते हैं, वे जल्दी निराश होते हैं। दूसरों को वैसा स्वीकार करें, जैसे वे हैं। उन्हें बदलने की कोशिश न करें।

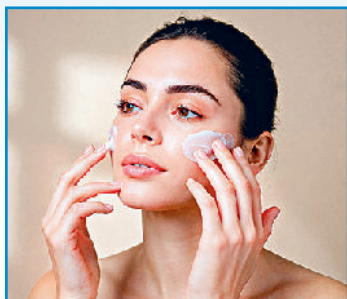


एक-दूसरे को दें क्वालिटी टाइम: सिर्फ एक-दूसरे के साथ होना काफी नहीं है, एक-दूसरे से बातें भी करें। बिना फोन या टीवी के एक-दूसरे के साथ समय बिताएं। यह जुड़ाव को

गहरा करता है, पुराने मीठे पलों को याद करने का मौका देता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की रिसर्च बताती है कि रिश्तों की गुणवत्ता इस बात से तय नहीं होती कि हम साथ में कितना समय बिताते हैं, यह इस बात से तय होती है कि हम बिना किसी डिस्ट्रक्शन के एक-दूसरे के साथ कितनी और कैसी बातचीत करते हैं।

आभार और प्रशंसा: अकसर हम छोटी-छोटी चीजों या बातों को टेकेन फॉर ग्रांटेड ले लेते हैं। छोटी बातों पर तारीफ करना, रिश्ते में जादू की तरह असर करती हैं। रिलेशनशिप एक्सपर्ट जॉन गेटमैन कहते हैं, 'रिश्तों में संवाद का मतलब सिर्फ शिकायत या अपेक्षाएं करना नहीं होता बल्कि एक-दूसरे की सराहना करना भी शामिल होता है।' *

नेचुरल क्लींग क्रीम से पाएं ताजगी का एहसास



मौसम में राहत दिलाने में यह बहुत कारगर क्रीम है। रात या दिन में लगाने से पहले चेहरे को साफ पानी से जरूर धो लें ताकि चेहरे पर जमा धूल, मिट्टी और प्रदूषण को हटाया जा सके, अन्यथा यह क्रीम ज्यादा प्रभावी नहीं होगी। चेहरे को साफ करने के बाद इस क्रीम को हल्के हाथों से आहिस्ता-आहिस्ता लगाएं।

उमस भरे मौसम में ऐसी हो डाइट

इस मौसम में डाइट प्लान बनाते समय महिलाओं को अपनी उम्र का ध्यान रखना जरूरी है। किस एज की महिलाओं का कैसा होना चाहिए डाइट प्लान, यहां डिटेल में बता रहे हैं।



थोड़ी-सी लापरवाही से पीसीओडी, थायरॉइड और क्रॉनिक फटीग जैसी समस्या से आप घिर सकती हैं। **क्या खाएं:** आपकी डाइट में पर्याप्त प्रोटीन, कार्ब्स, गुड फैट्स, फाइबर और मिनरल्स होने चाहिए। साथ ही एक छोटी चम्मच अलसी का पावडर आहार में शामिल करें, जो ओमेगा 3 फैटी एसिड्स जैसे तत्वों से भरपूर होती है। इसके अलावा रात को भिगोर रखे गए मेथी बीज को सुबह खाएं। यह थायरॉइड और ब्लड शुगर दोनों को मेटेन रखता है। नारियल पानी के साथ-साथ

थोड़ी-सी लापरवाही से पीसीओडी, थायरॉइड और क्रॉनिक फटीग जैसी समस्या से आप घिर सकती हैं। **क्या खाएं:** आपकी डाइट में पर्याप्त प्रोटीन, कार्ब्स, गुड फैट्स, फाइबर और मिनरल्स होने चाहिए। साथ ही एक छोटी चम्मच अलसी का पावडर आहार में शामिल करें, जो ओमेगा 3 फैटी एसिड्स जैसे तत्वों से भरपूर होती है। इसके अलावा रात को भिगोर रखे गए मेथी बीज को सुबह खाएं। यह थायरॉइड और ब्लड शुगर दोनों को मेटेन रखता है। नारियल पानी के साथ-साथ

और इसे कुछ समय के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद आप चेहरा धो सकती हैं। इस क्रीम को आप दिन में दो बार यानी सुबह और रात में इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके नियमित उपयोग से चेहरे को ठंडक मिलेगी और ताजगी का भी अहसास होगा। इस क्रीम को बनाने के दो-तीन दिन के अंदर ही उपयोग कर लें, क्योंकि इसमें किसी प्रिजर्वेंटिव का इस्तेमाल नहीं होता है। **एलोवेरा-केस्टर ऑयल क्रीम:** कांच की कटोरी में 2 चम्मच एलोवेरा जेल, एक चम्मच केस्टर ऑयल और 2 विटामिन-ई के कैप्सूल मिला लें। रात को सोते समय इस क्रीम को चेहरे पर इस तरह लगाएं कि क्रीम चेहरे पर पूरी तरह से एब्जॉर्ब हो जाए। रोज लगाने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क नजर आना शुरू हो जाएगा। *

सौजनल फ्रूट्स जैसे पपीता, अनार, खोरा नियमित अपने दिनचर्या में शामिल करना फायदेमंद होता है। **क्या न खाएं:** रिफाईंड शुगर, मैदा, बाहर का तला-भुना खाना और पैकेज्ड फूट जूस न लें। रात को भारी खाना न खाएं, क्योंकि यह मेटाबॉलिज्म को नुकसान पहुंचा सकता है। **40 प्लस महिलाएं:** इस उम्र में अकसर मेटाबॉलिज्म धीमा होने लगता है। इसलिए इस उम्र में सही डाइट का चयन सबसे अधिक जरूरी हो जाता है। रात भर भिगोए मेथी के दाने का पानी सुबह खाली पेट पीना ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल और हार्मोन बैलेंस में सहायक है। नाश्ते में सत्तू का पारांठा या दलिया खाएं। लिल इस उम्र की महिलाओं के लिए सबसे जरूरी फूड है। दोपहर में नारियल का पानी, बेल का शर्बत पिएं, जो लिवर को ठंडा रखने में कारगर साबित होता है। शाम को छाछ में जीरा और सेंधा नमक मिलाकर पिएं। लौकी, तोरई, टिंडा और पुदीने की चटनी रोज खाने से इस उमस भरे मौसम में शरीर में ठंडक बनी रहती है। **क्या न खाएं:** अधिक नमक वाला और तला-भुना खाना न खाएं क्योंकि ये ब्लड प्रेशर को बढ़ाते हैं। चाय और कॉफी की मात्रा बहुत कम लें। डाइट प्लान के लिए डाइटिशियन से संपर्क कर सकती हैं। *

प्रस्तुति: संध्या रानी

खबर संक्षेप



गुरु रविदास धर्मशाला में संत कबीर साहेब को किया याद, दी पुष्पांजलि

भिवानी। आधुनिक काल के महान संत शिरोमणि कबीरदास महाराज के जन्मदिन पर आज गुरु रविदास धर्मशाला स्थित डा अम्बेडकर फ्री डीजिटल लाइब्रेरी में युवाओं ने उन पर पुष्प अर्पित करते हुए याद किया। इस मौके पर शहीद-ए-आजम वीर उधम सिंह प्रदेश महासभा के युवा प्रदेशाध्यक्ष एवं जननायक जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राजू मेहरा ने बताया की संत कबीरदास 15वीं सदी के महान भारतीय रहस्यवादी कवि और समाज सुधारक थे। उन्होंने हिन्दू और मुस्लिम धर्मों में व्याप्त कुरीतियों, पाखंडों और जाति-पाति का कड़ा विरोध किया। एक नियुण संत के रूप में कबीरदास ने निराकार ईश्वर की भक्ति और मानव प्रेम का संदेश दिया। आज के युग में कबीरदास के दोहे सही साबित हो रहे हैं, लोग ईसानियत को छोड़कर दिखावे में विश्वास कर रहे हैं। मेहरा ने कहा की युवाओं को संत कबीरदास को जरूर पढ़ना चाहिए, क्योंकि महान संत ने अपनी वाणी और दोहों से दुनिया में व्याप्त पाखंड एवं दिखावे के जीवन का पटाक्षेप किया था। इस मौके पर अजय जोगी, साहिल बांगलिया, राकेश प्रजापति, अजय राजपूत, रेनु राजपूत, सन्नी वाल्मीकि, हर्ष वाल्मीकि, हर्ष मेहरा, अमित घोष, लखन, सुभमा, खुशी, देवेन्द्र शर्मा व रिकू आदि उपस्थित रहे।

विधायक सराफ ने कबीर साहेब के आदर्शों को अपनाने का दिया संदेश संत कबीर के विचार आज भी प्रासंगिक कुरीतियों को मिटाना ही श्रद्धांजलि: सराफ

संत शिरोमणि कबीर साहेब महाराज को किया नमन, दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज >>> भिवानी

हनुमान गेट स्थित स्वामी जीतू पतित पावन पाठशाला में सोमवार को संत शिरोमणि कबीरदास महाराज का प्रकट उत्सव मनाया। इस अवसर पर स्वामी जीतू धानक समाज कल्याण सेवा समिति के प्रधान राजकुमार सोलंकी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। समारोह में बतौर मुख्यतिथि विधायक घनश्याम सराफ और विशिष्ट अतिथि नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने शिरकत की और संत कबीरदास महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इसके उपरांत प्रसाद वितरित किया। उन्होंने उपस्थितजन को संत कबीर के दिखाए मार्ग पर चलने और राष्ट्रहित में कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया। मुख्यातिथि विधायक सराफ व चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने कहा कि संत कबीरदास केवल कवि नहीं, बल्कि महान समाज सुधारक थे। सराफ व भवानी ने कहा कि कबीर साहेब ने अपने दोहों और विचारों के माध्यम से समाज में फैली कुरीतियों, जात-



भिवानी। संत कबीर साहेब को नमन करते विधायक घनश्यामदास सराफ, नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह व अन्य।

हनुमान जोहड़ी मंदिर में संत कबीर कुटिया साधना व सत्संग भवन का हुआ भूमि पूजन

भिवानी। हनुमान दाणी स्थित हनुमान जोहड़ी मंदिर परिसर में संत शिरोमणि कबीरदास महाराज के प्रकट दिवस पर सोमवार को कार्यक्रम का आयोजन किया। युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट के बैनर तले समारोह में संत कबीर कुटिया साधना व सत्संग भवन का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन मंदिर के बालयोगी महंत चरणदास महाराज के पावन सानिध्य में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में साधु-संतों, आध्यात्मिक विमुक्तियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम के दौरान मुख्य यजमान के रूप में अमित गोयल, राजीव मितल व कुलदीप जेवली ने पूजा-अर्चना संपन्न करवाई और लोक-कल्याण की कामना की। भूमि पूजन के पश्चात उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए महंत चरणदास ने कहा कि संत कबीरदास महाराज केवल एक युग के संत नहीं थे, बल्कि वे त्रिकालदर्शी और समाज सुधारक थे, उनका प्रकट दिवस हमें याद दिलाता है कि ईश्वर की सच्ची भक्ति मानव सेवा और अंतःकरण की शुद्धि में है। इस आधुनिक युग में युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से दूर हो रही है, वहां कबीर के विचार एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं। महंत चरणदास ने कहा कि हनुमान जोहड़ी मंदिर परिसर में संत

पात और आडंबरों पर कड़ा प्रहार किया। आज के दौर में उनके विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। समिति के प्रधान राजकुमार सोलंकी

ये रहे उपस्थित

उन्होंने कहा कि संत कबीर का प्रकट उत्सव केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का दिन है। इस अवसर पर राजेश डाबला, राम इंदौरा, अनिल किराड़, प्रदीप किराड़, विजेंद्र किराड़, विशंबर डाबला, जगदीश डाबला, मदन डाबला, बालमुकंद किराड़, साधुराम इंदौरा, अनिल पेंटर, अनिल डाबला, अशोक, रिटायर्ड तहसीलदार सुरेश कायत आदि मौजूद रहे।



कबीर कुटिया साधना व सत्संग भवन का निर्माण केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा खड़ा करना नहीं, बल्कि श्रीसनातन संस्कारों, ध्यान, साधना और लोक-कल्याण का एक ऐसा केंद्र बनेगा जहां आकर कोई भी साधक मानसिक शांति प्राप्त कर सकेगा। इस अवसर पर अवसर पर ध्यानदास महाराज, भरतदास, मातुदास महाराज, हरदे प्रियंका, राकेश स्वामी, ओमवीर कौशिक, कृष्ण स्वामी, राममेहर, रघबीर सिंह महवार, मोहित, सौताराम, बलवान सैनी, दनवंती, रेणुबाला व पंडित अमरीश शर्मा आदि मौजूद रहे।

ने कहा कि संत कबीर ने जो ज्ञान की अलख जगाई थी, उसी रास्ते पर

चलकर हमारी समिति शिक्षा, स्वास्थ्य कार्यों को आगे बढ़ाती रहेगी।

सरकार जल्द जारी करे गैर शिक्षक कर्मियों के रुके हुए वेतन का भुगतान: महामंत्री प्रदीप

■ प्रदीप बने गैर-शिक्षक विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के प्रांत महामंत्री

हरिभूमि न्यूज >>> भिवानी

हरियाणा के विश्वविद्यालयों में वर्षों से सेवाएं दे रहे गैर-शिक्षक कर्मचारियों का धैर्य अब जवाब दे चुका है। भारतीय मजदूर संघ संबंधित गैर-शिक्षक विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ ने सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासनों के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। कुरुक्षेत्र में संघ के प्रांतीय अधिवेशन में कर्मचारियों ने जनकर रोष जताया, जहां हरियाणा कौशल



भिवानी। गैर-शिक्षक विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के नवनिर्वात पदाधिकारी।

रोजगार निगम (एचकेआरएनएल) और अनुबंध पर कार्यरत कर्मचारियों के शोषण व वेतन विसंगतियों को लेकर तीखा रोष जताया। अधिवेशन में क्षेत्रीय संगठन मंत्री सोहनलाल गुप्ता, प्रांत महामंत्री हवासिंह मेहला और प्रांत संयोजक रणबीर बांगरवा की

कर्मचारियों के साथ हो रहा खिलवाड़

प्रदीप कुमार ने कर्मचारियों के हितों के साथ लगातार खिलवाड़ हो रहा है, पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने के बावजूद भी कर्मचारियों को पिछले कई माह का वेतन नहीं मिल रहा, जिसके चलते उनके समझ आर्थिक परेशानियां खड़ी हो गई हैं। उन्होंने मांग की कि कई वर्षों से पूरी निष्ठा से काम कर रहे हजारों अनुबंध कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से जॉब सिक्योरिटी दी जाए।

अध्यक्षता में प्रदेशभर के गैर-शिक्षक कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद की।

हरिभूमि न्यूज >>> बहल

हर व्यक्ति तक भोजन पहुंचे और कोई भूखे पेट न सोए इस सोच को लेकर सोमवार को मानव सेवा रथ, सुरपुरा रोड से मानव सेवा रथ को रवाना किया गया। रथ को समाजसेवी हनुमान शर्मा पाजू ने हरी झंडी दिखाई। समाजसेवी मुरारी जांगड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर इस जनसेवा अभियान की सराहना की। मानव सेवा घर के संचालक डॉ. दिलबाग सुरपुरा ने बताया कि मानव सेवा रथ का उद्देश्य



बहल। रथ को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।

जरूरतमंद, बेसहारा, गरीब एवं मजदूर वर्ग के लोगों तक पौष्टिक भोजन पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मात्र 10 रुपये में भरपेट भोजन उपलब्ध कराने की

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर अमर सोलंकी, सुनील गरवा,एडवोकेट तरूण गिल, मंजीत ढाणी, सुरेश गर्ग, पूर्व सरपंच जयनारायण, डॉ. बिजेन्द्र कसबा, रणसिंह गाढ़ा सहित अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे। सभी ने मानव सेवा के इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और समाज के सख्त लोगों से भी इसमें सहयोग की अपील की।

हनुमान शर्मा व मुरारी जांगड़ा ने 10 किंवदंतल गेहूं एवं 10 पीपे सरसों का तेल, जबकि डॉ. सुनील नेहरा ने 10 किंवदंतल गेहूं भेंट कर अभियान को मजबूती प्रदान की।

कबीरदास जयंती पर सात जोड़ों का कराया रमैणी से विवाह

सतलोक आश्रम में तीन दिवसीय कार्यक्रम संपन्न, अनेक श्रद्धालुओं ने चखा प्रसाद

हरिभूमि न्यूज >>> भिवानी



भिवानी। प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालु।

धार्मिक आस्था का प्रदर्शन किया, बल्कि सामाजिक सरोकार और मानवता की एक नई परिभाषा भी लिखी। अनुष्ठान के दौरान संत गरीब दास महाराज द्वारा रचित अमर ग्रंथ साहिब की अमर वाणियों

का अखंड पाठ किया गया। तीन दिनों तक निरंतर चली इन दिव्य वाणियों से पूरा परिसर भक्तिमय रहा। इस महा समागम में लाखों श्रद्धालुओं ने शिरकत की, जिनका प्रबंधन आश्रम समिति द्वारा बेहद

संत रामपाल का उद्देश्य विश्व में शांति स्थापित करना

आश्रम प्रबंधन समिति और सेवादाओं ने संत रामपाल के मूल मंत्र को दोहराते हुए कहा कि महाराज का एकमात्र उद्देश्य विश्व में शांति स्थापित करना और बिखरे हुए मानव समाज को एकजुट करना है। उन्होंने कहा कि संत रामपाल महाराज का संदेश स्पष्ट है कि जीव हमारी जाति है, मानव धर्म हमारा। यह अनुष्ठान केवल एक धार्मिक गतिविधि नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व के कल्याण की प्रार्थना है। हम एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते हैं जहां न नशा हो, न दहेज और न ही जात-पात का भेदभाव। लाखों श्रद्धालुओं ने यहाँ भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया और सेवा का संकल्प लेकर अपने घरों को लौटे हैं।

सुव्यवस्थित तरीके से किया गया। यह आयोजन केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने समाज को नई दिशा देने का काम किया। आयोजन के दूसरे दिन दौरान 7 जोड़ों का रमैणी (गुरुवाणी

के माध्यम से बिना किसी तामझाम और दहेज के) विवाह संपन्न कराया गया था तथा वहीं मानवता की सेवा में कदम बढ़ाते हुए 100 से अधिक यूनिट रक्त दान भी किया गया था।

छोटी काशी में भव्य अग्रसेन भवन बड़ी गौरवशाली उपलब्धि : गुप्ता

■ अग्रसेन भवन देशभर में रखेगा अपनी अलग छाप, सर्वसमाज के उपयोग में आएगा: राजकुमार

हरिभूमि न्यूज >>> भिवानी

छोटी काशी में इतना विशाल एवं भव्य अग्रसेन भवन बनाना बड़ी गौरवशाली उपलब्धि है, ये बात गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष व गुजरात सरकार में पूर्वमंत्री राजकुमार गुप्ता ने अग्रसेन भवन का निरीक्षण करते हुए कही। भिवानी पधारने पर अग्रसेन ट्रस्ट ने गुप्ता का अभिनंदन एवं सम्मान किया। गुप्ता ने अग्रसेन भवन के



भिवानी। पूर्वमंत्री राजकुमार गुप्ता का अभिनंदन करते अग्रवाल समाज के लोग।

निर्माण में उल्लेखनीय सहयोग खुद भी दिया और अहमदाबाद प्रवासी अनेक व्यापारिक समुदाय से दिलवाया। उन्होंने निर्माणाधीन भवन का अवलोकन किया और ट्रस्ट के अध्यक्ष रामदेव तायल व

उनकी पूरी टीम का भवन के समयबद्ध निर्माण के लिए साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि अग्रसेन भवन देशभर में अपनी अलग छाप रखेगा और सर्वसमाज के लिए इसका उपयोग हो सकेगा।



एसआईआर पर मतदाताओं को करें जागरूक : दलाल बहल। कस्बे के पंचायत घर में ग्राम पंचायत के तत्वावधान में उपमंडल प्रशासन द्वारा एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया एवं मतदाता सूची से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम मनोज दलाल मुख्यतिथि रहे जबकि सरपंच साधुराम पनियाहार ने अध्यक्षता की। सोमवार को आयोजित बैठक में एसडीएम मनोज दलाल ने एसआईआर प्रक्रिया, मतदाता सूची के अद्यतन, आवश्यक दस्तावेजों, निर्धारित समय-सीमा तथा नागरिकों की जिम्मेदारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों से अपील की कि वे प्रत्येक पात्र मतदाता को जागरूक करें तथा एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित कार्य समय-सीमा पर पूर्ण करवाने में सक्रिय सहयोग दें। सरपंच साधुराम पनियाहार ने अधिकारियों को आश्वासन दिया कि गांव के हर वार्ड में एसआईआर प्रक्रिया को समयबद्ध पूरी करने में पूरा सहयोग करेंगे। इस अवसर पर सुरेंद्र कुमार, नवीन, डॉ. दयानंद, हजारी गोस्वामी, दीपक पनियाहार, ईश्वर नंदरदार सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

■ शिक्षकों ने उच्च न्यायालय की शरण में जाने का लिया फैसला: विकास

हरिभूमि न्यूज >>> भिवानी

नेहरु पार्क में भिवानी जिले के शिक्षकों की बैठक हुई, जिसमें नई शिक्षक स्थानांतरण नीति 2026 पर मंथन किया। बैठक में नई शिक्षक स्थानांतरण नीति में अनुभवी एवं पुराने शिक्षक अपने को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। नई नीति में कुल 120 अंकों में शिक्षकों को आयु के वर्षों के आधे



भिवानी। नेहरु पार्क में नई शिक्षक स्थानांतरण नीति पर चर्चा करते शिक्षक।

अंक अधिकतम 30 तथा वर्तमान पद अनुभव के अधिकतम 30 अंक दिए गए हैं, जो लेकर शिक्षकों में निराशा है। बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया

कि जल्द से जल्द अच्छे वकीलों से बातचीत करके न्यायालय की शरण ली जाए तथा सता पक्ष एवं विपक्ष से मिलकर समस्याओं का समाधान

पिछले 10 वर्षों से तबादलों के इंतजार में रिटायर हो रहे जेबीटी शिक्षक

सरकार ने समस्या का हल करने की बजाय नई नीति को खिना शिक्षक एवं शिक्षक संगठनों से सलाह लिए और भी पेचिदा एवं अव्यवहारिक बना दिया है, जिससे शिक्षकों को अब लगने लगा है कि सरकार जानबूझ कर ऐसा कर रही है ताकि उसे कोई बहाना मिल जाए और तबादले न करने पड़े। जेबीटी शिक्षक पिछले 10 वर्षों से तबादलों का इंतजार करते-करते सेवानिवृत्त हो रहे हैं। शिक्षकों का आरोप है कि

सरकार की नीति के खिलाफ अब फिर से उन्हें न्यायालय की शरण लेनी पड़ेगी, जिसमें समय एवं धन की बर्बादी होगी तथा मानसिक प्रताड़ना भी सहन करनी पड़ेगी। इस मौके पर विकास शर्मा, राजेश नागर, विनोद परमार, शिवकुमार शास्त्री, शिवकुमार, रमेश, पालाराम, रविन्द्र, नरेन्द्र, सुरेन्द्र, मुकेश, नवरतन, राजपाल, मनोज, योगेश व जगदीश आदि उपस्थित थे।

नई नीति पदोन्नति शिक्षकों के लिए अभिशाप बन गई है। अनुभवी शिक्षकों के सिर पर उम्र के पड़ाव में दूर-दराज क्षेत्र में स्थानांतरण का खतरा मंडराने लगा है।



भिवानी। संत कबीर साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करते विधायक घनश्याम सराफ, रिटायर्ड सहायक जिला न्यायवादी सज्जन खनगवाल व अन्य।

संत कबीर ने पाखंड, अंधविश्वास पर किया कड़ा प्रहार: धनश्याम

■ सामाजिक कुरीतियों को जड़ से मिटाने का लिया संकल्प

■ धानक धर्मशाला में श्रद्धा से मनाया संत कबीर प्रकटोत्सव

हरिभूमि न्यूज >>> भिवानी

हनुमान गेट स्थित धानक समाज धर्मशाला में संत शिरोमणि कबीर महाराज का प्रकट पर्व बेहद गरिमापूर्ण, भव्य और हॉल्लेसा के साथ मनाया। इस अवसर पर समाज के प्रबुद्धजनों, वरिष्ठ नेताओं और गणमान्य नागरिकों ने भारी संख्या में शिरकत की। समारोह में लोगों ने संत कबीर महाराज के दिखाए मार्ग पर चलने और उनके क्रांतिकारी विचारों को अपने जीवन में उतारने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि विधायक घनश्यामदास सराफ ने शिरकत की तथा अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं रिटायर्ड सहायक जिला न्यायवादी सज्जन खनगवाल एडवोकेट ने की। इस भव्य आयोजन की देखरेख पूर्व पार्षद हंसराज खनगवाल ने बखूबी

शिक्षा पर ध्यान की अपील

विधायक ने मंच के माध्यम से आने वाली पीढ़ी को बेहतर और उज्ज्वल भविष्य देने के लिए बच्चों, विशेषकर वंचित वर्ग के बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की पुर्णजोर अपील की। वक्ताओं ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार का विशेष रूप से धन्यवाद और आभार जताया। सभी ने एक सुर में संत कबीर के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कर्नल सिंह बागड़ी, कमल बागड़ी, प्रकाश बागड़ी, धर्मवीर डाबला व सुरेंद्र मास्टर रहे।

निभाई तथा मंच संचालन श्याम सुंदर इंदौरा ने किया। वक्ताओं ने कहा कि समाज को कबीर साहेब के समाज सुधारक, और निर्भीक स्वभाव को अपनाकर आगे बढ़ना चाहिए। विधायक घनश्याम सराफ, रिटायर्ड सहायक जिला न्यायवादी सज्जन खनगवाल एडवोकेट व पूर्व पार्षद हंसराज खनगवाल ने कहा कि कबीर महाराज ने हमेशा पाखंड, अंधविश्वास और रूढ़िवादिता पर कड़ा प्रहार किया।

